22.4.24

Dt.
Pg. 1 B+

Tender Heart High School, Sec. 33-B, Chd.

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-2 'बड़े भाई साहब') लेखक
पाठ का शेष भाग -- प्रेमचंद
पुस्तक - नवतरंग - 8

प्यारे बच्चो, सुप्रभात।

आज हम पाठ-2 'बड़े भाई साहब' के शेष भाग को पढ़ेंगे। यह कार्य आपको 22 अप्रैल, 2024 को भेजा जाएगा।

बच्चो, पिछले सप्ताह हमने पढ़ा था कि सब बच्चे कनकौआ लूटने के लिए दौड़ रहे थे। उनमें लेखक भी शामिल थे। ऐसा लग रहा था मानो उस पतंग के साथ ही सब आकाश में उड़ रहे थे। भाई साहब के इतना टोकने के बाद भी लेखक के खेलने का शौक कम न हुआ। खेलने का दिल तो भाई साहब का भी करता था। जब लेखक पतंग लूटने के लिए दौड़ रहा था तभी अचानक उसका मुकाबला उनके भाई साहब से हो गया। उन्होंने वहीं लेखक का हाथ पकड़ लिया और उग्र भाव से वे बोले - इन बाज़ारी लड़कों के साथ धेले के कनकौए को लूटने के लिए दौड़ते हुए तुम्हें शर्म नहीं आती! तुम्हें अब इसका भी लिहाज़ नहीं कि अब नीची जमात में नहीं हो, बल्कि आठवीं जमात में आ गए हो और मुझसे एक दरजा नीचे हो। एक ज़माना था कि लोग आठवाँ दरजा पास करके तहसीलदार हो जाते थे। मैं कितने ही मिडलचियों को जानता हूँ, जो आज अव्वल दरजे के डिप्टी मजिस्ट्रेट हैं। कितने ही आठवीं जमात

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

22.4.24

Dt

Pg 2

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-2 बड़े भाई साहब का शेषभाग)

वाले हमारे लीडर हैं तथा समाचार-पत्रों के संपादक हैं। तुम उसी आठवें दरजे में आकर कनकौए के लिए दौड़ रहे हो। मुझे तुम्हारी कम अकली पर दुख होता है। तुम ज़हीन हो, इसमें शक नहीं; लेकिन वह ज़ेहन किस काम का, जो हमारे आत्मगौरव की हत्या कर डाले! तुम अपने दिल में समझते होंगे, मैं भाई साहब से महज एक दर्जा नीचे हूँ और अब उन्हें मुझको कुछ कहने का हक नहीं है; लेकिन यह तुम्हारी गलती है। मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और चाहे आज तुम मेरी ही जमात में आ जाओ- और परीक्षकों का यही हाल है, तो निस्संदेह अगले साल तुम मेरे समकक्ष हो जाओगे और शायद एक साल बाद तुम मुझसे आगे निकल जाओ- लेकिन मुझमें और तुम में जो पाँच साल का अंतर है, उसे तुम क्या खुदा भी नहीं मिटा सकता। मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और रहूँगा। मुझे दुनिया और ज़िंदगी का जो तजुरबा है, तुम उसकी बराबरी नहीं कर सकते। समझ किताबें पढ़ने से नहीं आती है। हमारी अम्माँ ने कोई दरजा पास नहीं किया, और दादा भी शायद पाँचवीं जमात के आगे नहीं गए, लेकिन हम दोनों चाहे सारी दुनिया की विद्या पढ़ लें, अम्माँ और दादा को हमेसमझाने और सुधारने का अधिकार हमेशा रहेगा। केवल इस लिए नहीं कि वे हमारे अन्नदाता हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें दुनिया का हमसे ज्यादा तजुरबा है और रहेगा।

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

Dt. 22.4.24
Pg. 3 D+

कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा
हिंदी साहित्य (पाठ-2 बड़े भाईसाहब का शेष भाग)

भाईजान, यह गरूर दिल से निकाल डालो कि तुम मेरे समीप आ गए हो और अब स्वतंत्र हो। मेरे देखते तुम बेराह नहीं चल पाओगे। मैं जानता हूँ, तुम्हें मेरी बातें ज़हर लग रही हैं---।

मुझे आज सचमुच अपनी लघुता का अनुभव हुआ और भाई साहब के प्रति मेरे मन श्रद्धा उत्पन्न हुई। मैंने सजल आँखों से कहा - हरगिज नहीं। आप जो कुछ फरमा रहे हैं, वह बिलकुल सच है और आपको कहने का अधिकार है।

भाई साहब ने मुझे गले लगा लिया और बोले - मैं कनकौए उड़ाने को मना नहीं करता। मेरा जी भी ललचाता है, लेकिन क्या करूँ, खुद बेराह चलूँ तो तुम्हारी रक्षा कैसे करूँ? यह कर्त्तव्य भी तो मेरे सिर पर है!

संयोग से उसी वक्त एक कटा हुआ कनकौआ हमारे ऊपर से गुज़रा। उसकी डोर लटक रही थी। लड़कों का एक गोल पीछे-पीछे दौड़ा चला आता था। भाई साहब लंबे हैं ही, उछलकर उसकी डोर पकड़ ली और बेतहाशा होस्टल की तरफ़ दौड़े। मैं पीछे-पीछे दौड़ रहा था।

अब इन सभी घटनाओं से लेखक को छोटे-बड़े का अंतर समझ में आ गया था। इस कहानी से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि केवल किताबी ज्ञान ही जीवन में सफल होने के लिए काफी नहीं है बल्कि सामाजिक ज्ञान भी उतना ही आवश्यक है। इसके साथ ही

(पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

22.4.24

Pg. 4

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-2 'बड़े भाई साहब')

खेलों का भी उतना ही महत्व है जितना पढ़ाई का। मुंशी प्रेमचंद की यह कहानी सामाजिक मूल्यों पर आधारित है। हम सबको अपने परिवार में छोटे भाई-बहनों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

अब बच्चो, यह पाठ यहाँ समाप्त हो गया है। अब मैं आपको गृहकार्य करने को दूँगी।

गृहकार्य:- सब बच्चे कठिन शब्दों के अर्थ अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे व याद करेंगे। पृष्ठ 13-14 पर लिखे प्रश्नों के उत्तर स्वयं लिखने का प्रयास करेंगे। पाठ को बार-बार पढ़ेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-4)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner